IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

नौकरी संतुष्टि एवं कार्य प्रेरणा : एक शिक्षक एवं उसकी भूमिका

[1]डॉ. राकेश कुमार, [2]सुषमा यादव

[1]सहायक प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, रजत कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड मैनेजमेन्ट, लखनऊ

[2]शोध छात्रा, शिक्षा विभाग, इश्वर शरण पी. जी. कॉलेज , इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

सारांश

अध्यापन के कार्यक्षेत्र में कार्य संतुष्टि अध्यापक के लिए एक प्रेरणा का कार्य करती है। अतः अध्यापन कार्य में कार्य संतुष्टि का होना जरुरी है। यह कर्मचारी द्वारा अपने कार्य प्रदर्शन के दौरान कई विशिष्ट पसंद और नापसदों के संतुलन की परिणति होती है जो उस कर्मचारी की अभिवृत्ति का निर्माण करती है । नौकरी से संतुष्टि किसी व्यक्ति की उसकी वर्तमान नौकरी की स्थिति के प्रति भावनात्मक प्रतिक्रिया है, जबकि प्रेरणा किसी की जरूरतों को पूरा करने और संतुष्ट करने की प्रेरक शक्ति है। भारतीय परिदृश्य में उच्च प्राथमिक कक्षाओं के शिक्षकों की नौकरी संतुष्टि और छात्रों के प्रदर्शन का अध्ययन महत्वपूर्ण है क्योंकि यह शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता और प्रभावशीलता को बढ़ाने की कुंजी है। शिक्षकों की नौकरी संतुष्टि उनके कार्य प्रदर्शन से जुड़ी होती है, और यह छात्रों के शैक्षिक परिणामों पर सीधा प्रभाव डाल सकती है। इस अध्ययन से हमें शिक्षकों की नौकरी संतुष्टि के विभिन्न पहलुओं और उनके छात्रों के प्रदर्शन के बीच संबंधों को समझने में मदद मिलेगी, जिससे शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए ठोस कदम उठाए जा सकें।

प्रमुख-पद: भारतीय परिदृश्य, शिक्षक प्रदर्शन , छात्र प्रदर्शन , शैक्षिक परिणाम ,नौकरी संतुष्टि।

प्रस्तावना:

शिक्षकों के नौकरी से संतुष्टि और कार्य प्रेरणा के बीच जटिल संबंध को समझना शैक्षिक परिणामों और शिक्षक प्रतिधारण को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है। प्रेरणा, चाहे आंतरिक रूप से या बाह्य रूप से प्रेरित हो, लक्ष्य-उन्मुख कार्यों के पीछे प्रेरक शक्ति है, जो शैक्षणिक सेटिंग में शिक्षकों के समर्पण और प्रदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शैक्षिक क्षेत्र के संदर्भ में, जहां शिक्षकों की नौकरी से संतुष्टि सीधे छात्र के सीखने के अनुभवों और परिणामों को प्रभावित करती है, प्रेरणा और संतुष्टि को प्रभावित करने वाले कारकों की जांच करना सर्वोपरि है। इस गुणात्मक अन्वेषण का उद्देश्य जांच के केंद्रीय विषय के रूप में शिक्षकों की नौकरी की संतुष्टि पर ध्यान केंद्रित करके, शैक्षिक परिदृश्य के भीतर खेल की

गतिशीलता पर प्रकाश डालते हुए आगे और उच्च शिक्षा अधिनियम (1992) द्वारा निर्धारित आवश्यकताओं को पूरा करना है। प्राथमिक से लेकर उच्च विद्यालय तक सभी शैक्षिक चरणों में शिक्षकों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने वाला एक व्यापक मंच प्रदान करके, इस अध्ययन का उद्देश्य शिक्षण संसाधनों और सहायता प्रणालियों को बढ़ाना है, जिससे अंततः शिक्षकों और छात्रों दोनों को समान रूप से लाभ होगा । 12वीं कक्षा के शिक्षकों के संदर्भ में नौकरी से संतुष्टि और कार्य प्रेरणा कैसे एक-दूसरे से जुड़ती है, इसकी गहरी समझ के माध्यम से, शिक्षा क्षेत्र के भीतर सकारात्मक कार्य वातावरण और नौकरी जुड़ाव को बढ़ावा देने वाली नीतियों और प्रथाओं को सूचित करने के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्राप्त की जा सकती है।

शिक्षकों की नौकरी संतुष्टि और छात्र प्रदर्शन का अध्ययन करने का महत्व बहुत अधिक होता है। शिक्षकों की काम के प्रति उनकी संतुष्टि और छात्रों के प्रदर्शन के बीच एक संबंध होता है[4]। जब एक शिक्षक संतुष्ट होता है, तो वह अपने काम को बेहतर ढंग से करता है, जिससे छात्रों के प्रदर्शन में सुधार होता है। इसलिए, यह अध्ययन शिक्षकों की संतुष्टि और छात्र प्रदर्शन के बीच संबंध का पता लगाने में मदद करता है। शिक्षकों की नौकरी संतुष्टि को प्रभावित करने वाले कुछ कारकों की पहचान करना भी बहुत महत्वपूर्ण होता है[5]। एक अध्ययन में, कैनेडियन शिक्षकों पर अनुसंधान किया गया था, जिसमें शिक्षक-छात्र संबंधों को शिक्षकों की नौकरी संतुष्टि से अधिक संबंधित माना गया था[6]। शिक्षकों की नौकरी संतुष्टि कम होने से छात्रों के प्रदर्शन पर असर पड़ता है[6]। इसलिए, शिक्षकों की संतुष्टि को बढ़ाने के लिए निम्नलिखित कारकों को ध्यान में रखा जाना चाहिए: -शिक्षकों को समर्पित काम के लिए समय देना - समर्थन प्रदान करना - उच्च शैक्षिक दर्जा और वेतन के साथ शिक्षकों को प्रोत्साहित करना।

छात्र प्रदर्शन संकेतक विभिन्न पहलुओं का मूल्यांकन करने के लिए मापदंड हैं जो एक छात्र की शैक्षिक प्रगति और उपलब्धियों को दर्शाते हैं। ये शैक्षिक कार्यक्रमों की प्रभावशीलता को समझने और उन क्षेत्रों की पहचान करने के लिए महत्वपूर्ण हैं जहाँ छात्रों को अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता हो सकती है। यहाँ कुछ प्रमुख संकेतक दिए गए हैं जो आमतौर पर इस्तेमाल किए जाते हैं:

- **शैक्षिक उपलब्धि**: इसमें ग्रेड, परीक्षा के स्कोर और अन्य औपचारिक मूल्यांकन शामिल हैं जो एक छात्र की पाठ्यक्रम की महारत को प्रतिबिंबित करते हैं।
- **सीखने की प्रगति:** विशिष्ट विषयों या कौशल में समय के साथ सुधार जैसे संकेतक, जो एक छात्र के विकास और वृद्धि को दर्शाते हैं।
- **संलग्नता:** छात्रों की सीखने में कितनी भागीदारी है, इसके मापदंड, जिसमें कक्षा में भागीदारी, होमवर्क की पूर्ति, और स्कूल की गतिविधियों में शामिल होना शामिल है।
- **व्यवहारिक संकेतक:** इनमें उपस्थिति रिकॉर्ड, अनुशासन रिपोर्ट और अन्य छात्र व्यवहार के मापदंड शामिल हैं जो सीखने को प्रभावित कर सकते हैं।
- **सामाजिक-भावनात्मक सीखना:** छात्रों की भावनाओं को समझने और प्रबंधित करने, सकारात्मक लक्ष्य निर्धारित करने और प्राप्त करने, दूसरों के प्रति सहानुभूति महसूस करने और दिखाने, सकारात्मक संबंध स्थापित करने और बनाए रखने, और जिम्मेदार निर्णय लेने की क्षमताओं का मूल्यांकन।
- **कॉलेज और करियर की तैयारी**: छात्र की उच्च शिक्षा या कार्यबल में सफल होने की क्षमता का अनुमान लगाने वाले संकेतक, जैसे कि उन्नत पाठ्यक्रमों में नामांकन या नौकरी से संबंधित कौशल की प्राप्ति।

ये संकेतक शिक्षकों और नीति निर्माताओं को शैक्षिक परिणामों में सुधार करने और सभी छात्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अनुदेश को अनुकूलित करने के बारे में सूचित निर्णय लेने में मदद करते हैं।

अनुसंधान का प्रमुख उद्देश्य :

I. 12वीं कक्षा के शिक्षकों में नौकरी संतुष्टि और कार्य प्रेरणा के मध्य संबंध की खोज करना ।
II. शिक्षकों में नौकरी संतुष्टि और कार्य प्रेरणा के मध्य संबंध का विश्लेषण करना।
III. शिक्षकों में काम के प्रति संतुष्टि के कारण और प्रेरणा के तत्व को विश्लेषित करके उनकी व्यावसायिक विकास में सुधार करने के उपाय सन्दर्भित करना।

खोज की व्याख्या:

सारणी 1 : शिक्षकों की नौकरी संतुष्टि और छात्रों के प्रदर्शन के बीच संबंध

पैरामीटर	**शिक्षकों की नौकरी संतुष्टि**	**छात्रों का प्रदर्शन**
संतुष्टि के कारक वेतन	कार्य स्थिति, प्रोत्साहन	शैक्षिक उपलब्धि, सीखने की प्रगति
प्रभाव	शिक्षकों की नौकरी संतुष्टि का छात्रों के प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रभाव	छात्रों की शैक्षिक सफलता शिक्षकों की संतुष्टि को बढ़ा सकती है
संबंध	शिक्षकों की संतुष्टि के विभिन्न पहलुओं में सकारात्मक संबंध	छात्रों के प्रदर्शन में सुधार से शिक्षकों की संतुष्टि में वृद्धि
अनुशंसाएँ	शिक्षकों की नौकरी संतुष्टि बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन और पेशेवर विकास के अवसर	छात्रों के प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए शिक्षक-छात्र संबंधों पर ध्यान देना

नौकरी संतुष्टि को प्रभावित करने वाले कारक:

भारतीय परिदृश्य में शिक्षकों की नौकरी संतुष्टि को प्रभावित करने वाले कारकों की पहचान करते हुए, एक सांख्यिकीय विश्लेषण निम्नलिखित है:

- वेतन ,कार्य स्थिति ,प्रोत्साहन कार्यकाल
- शैक्षिक परिवेश
- **लिंग और संतुष्टि**: खोज के अनुसार, पुरुष और महिला शिक्षक शिक्षकों में नौकरी संतुष्टि के स्तर में महत्वपूर्ण अंतर पाया गया है ।
- **पेशेवर प्रतिबद्धता:** नौकरी संतुष्टि और पेशेवर प्रतिबद्धता के बीच एक सकारात्मक महत्वपूर्ण संबंध पाया गया है[12].

- **मनोवैज्ञानिक कल्याण**: शिक्षकों के मनोवैज्ञानिक कल्याण और नौकरी संतुष्टि के बीच एक महत्वपूर्ण संबंध पाया गया है[14].
- **शैक्षिक संस्थानों की भूमिका:** शिक्षकों की नौकरी संतुष्टि में शैक्षिक संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, जिसमें उनके शैक्षिक योग्यता, अनुभव, और कार्य निष्पादन की प्रभावशीलता शामिल है।

सांख्यिकीय विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि शिक्षकों की नौकरी संतुष्टि को प्रभावित करने वाले कई कारक हैं, और इन कारकों की पहचान करना शिक्षा क्षेत्र में सुधार के लिए आवश्यक है। इन कारकों में वेतन, कार्य स्थिति, प्रोत्साहन, कार्यकाल, परिवेश इत्यादि शामिल हैं।

छात्र प्रदर्शन में सुधार और शिक्षकों के प्रतिधारण:

- **शैक्षिक नवाचार:** शिक्षा प्रणाली में नवाचारों को अपनाने से छात्रों की सीखने की क्षमता और शिक्षकों की नौकरी में संतुष्टि बढ़ सकती है।
- **पेशेवर विकास**: शिक्षकों के लिए निरंतर पेशेवर विकास के अवसर प्रदान करने से उनकी नौकरी में रुचि और छात्रों के प्रदर्शन में सुधार हो सकता है [16]।
- **सहयोगी शैक्षिक वातावरण**: सहयोगी और समर्थनात्मक शैक्षिक वातावरण से शिक्षकों की प्रतिधारण दर में वृद्धि और छात्रों के प्रदर्शन में सुधार हो सकता है।
- **शिक्षकों की संतुष्टि**: शिक्षकों की नौकरी संतुष्टि को बढ़ाने के लिए उनके कार्यस्थल की स्थितियों, वेतन, और कार्य-जीवन संतुलन में सुधार करना आवश्यक है।
- **छात्रों की सफलता**: छात्रों की सफलता के लिए उन्हें आवश्यक संसाधन और समर्थन प्रदान करना, जैसे कि ट्यूटरिंग, मेंटरिंग, और अतिरिक्त शैक्षिक कार्यक्रम।

इन निहितार्थों को अपनाने से शिक्षकों के प्रतिधारण में सुधार और छात्रों के प्रदर्शन में वृद्धि संभव है, जिससे शैक्षिक संस्थानों की समग्र गुणवत्ता और प्रभावशीलता में बढ़ोतरी हो सकती है।

निष्कर्ष :

प्रस्तुत शोध से प्राप्त निष्कर्ष यह है कि शिक्षकों के बीच नौकरी की संतुष्टि और कार्य प्रेरणा के बीच गहरा संबंध होता है। शिक्षकों के काम के प्रति संतुष्टि और प्रेरणा के तत्वों में सम्मिलित करके उनकी प्रोफेशनल उत्साह और उत्कृष्टता में सुधार किया जा सकता है। इसके लिए, उचित कार्रवाई की आवश्यकता है, जैसे कि शिक्षकों के कार्य में सुधार के लिए उनके उत्साह को बढ़ावा देना और संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रदान करना। इससे शिक्षकों के पेशेवर विकास में सुधार होगा, जिससे वे अपने छात्रों को बेहतर शिक्षा प्रदान कर सकेंगे।

Reference

[1] *अभिप्रेरणा*. (n.d.) retrieved April 6, 2024, from hi.wikipedia.org

[2] *प्राथमिक स्तर के शिक्षकों की कार्य संतुष्टि और सामाजिक* …. (n.d.) retrieved April 6, 2024, from journals.icapsr.com/index.php/ijgasr/article/download/19/80

[3] *Press Information Bureau*. (n.d.) retrieved April 6, 2024, from pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1789118

[4] Iqbal, A., Fakhra, A. Z. I. Z., Farooqi, T. K., & Shabbir, A. L. I. (2016). Relationship between teachers' job satisfaction and students' academic performance. *Eurasian Journal of Educational Research*, *16*(65), 335-344.

[5] *Teachers' Job Satisfaction and Work Performance*. (n.d.) retrieved April 6, 2024, from www.scirp.org/journal/paperinformation.aspx?paperid=94433

[6] Tang, Y., Wang, T., Liu, L. B., & Li, Q. (2020). Teacher job satisfaction in high-performing systems: A multi-level study of teacher, classroom, and school factors using TALIS 2013 surveys.

[7] *McWherter, Sean, "The Effects of Teacher and Student Satisfaction on Student Achievement" (2012). Education Dissertations and Projects. 64.*

[8] Asif, I., Fakhra, A., Tahir, F., & Shabbir, A. (2016). Relationship between teachers' job satisfaction and students' academic performance. Eurasian Journal of Educational Research, 65, 335-344 http://dx.doi.org/10.14689/ejer.2016.65.19

[9] The Influence of Teacher's Job Satisfaction on Students' Performance: An Empirical Analysis Based on LargeScale Survey Data of Jiangsu Province Hui Gu1 , Shike Zhou2 1. Nanjing Normal University, Nanjing 210024, China 2. Jiangsu Institute of Education Science, Nanjing 210013, China

[10] The relationship between teacher satisfaction and student performance (adiutor.co)

[11] Iqbal, Asif; Aziz, Fakhra; Farooqi, Tahir Khan; Ali, Shabbir. Relationship between Teachers' Job Satisfaction and Students' Academic Performance: *Eurasian Journal of Educational Research*, n65 p335-344 2016 , ISSN: ISSN-1302-597X

[12] Khan T. & Kaur J. (2021). Job Satisfaction of Teacher Educators in Relation to Professional Commitment. International Journal of Indian Psychology, 9(4), 1444-1450. DIP:18.01.137.20210904, DOI:10.25215/0904.13

[13] Kapur, R. (2018). Factors influencing performance and job satisfaction of teachers in secondary schools in India. *Research Gate*, 1-25.

[14] Jacob G S & Kiran Babu N C (2021). Psychological Well-Being and Job Satisfaction among Teachers. International Journal of Indian Psychology, 9(4), 159-165. DIP:18.01.016.20210904, DOI:10.25215/0904.01

[15] umbul Tahir & S. M. Sajid, 2019. "Understanding the Job Satisfaction of Indian Academicians," Management and Labour Studies, XLRI Jamshedpur, School of Business Management & Human Resources, vol. 44(4), pages 369-393, November.

[16] Jayanthi Rajendran, D. V., Chauhan, R. K., & Lovi Singh, D. L. V. (2023). The Impact of Continuous Professional Development on Teacher Retention and Performance.

[17] Demir-Yıldız, C. (2023). Unveiling Job Satisfaction of Teachers through a Blend of Methodologies. *Sustainability*, *15*(18), 13986.